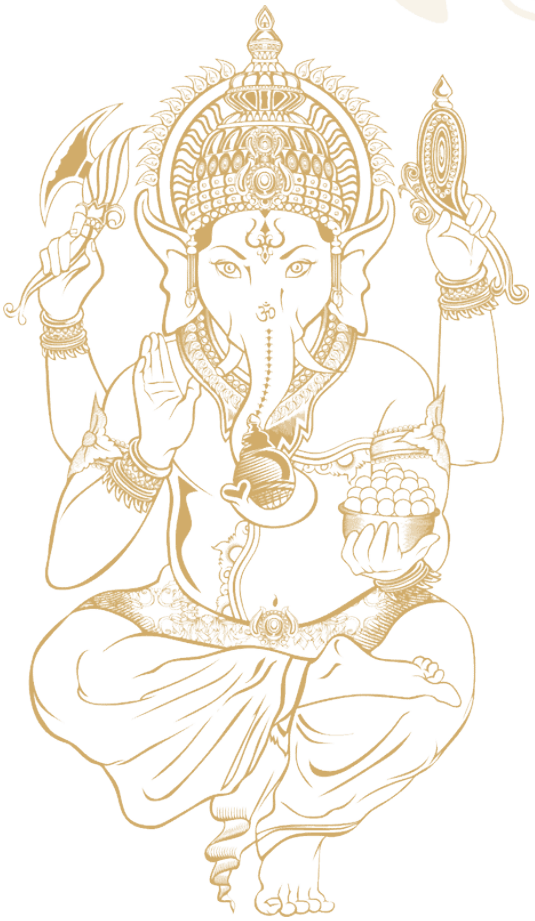

R

R

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121475502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/07/1994	जन्म तिथि	20/11/1995
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 08:45:00	जन्म समय	19:37:00 घंटे
घटी 07:55:39	जन्म समय(घटी)	32:31:29 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Jhansi
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:44	सूर्योदय	06:36:24
19:08:26	सूर्यास्त	17:26:03
23:47:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 1मा 13दि		10:12:46	सिंह	लग्न	मिथु	07:25:44	मंगल 0वर्ष 5मा 0दि	
गुरु		29:35:55	मिथु	सूर्य	वृश्चि	03:58:18	गुरु	
29/08/2015		00:43:32	तुला	चंद्र	तुला	05:52:08	22/04/2014	
29/08/2031		14:47:53	वृष	मंगल	वृश्चि	28:40:37	22/04/2030	
गुरु	16/10/2017	09:21:35	मिथु	बुध	वृश्चि	02:27:28	गुरु	09/06/2016
शनि	28/04/2020	11:16:34	तुला	गुरु	वृश्चि	26:19:55	शनि	21/12/2018
बुध	04/08/2022	11:42:00	सिंह	शुक्र	वृश्चि	27:32:14	बुध	28/03/2021
केतु	11/07/2023	18:11:22	कुंभ व	शनि व	कुंभ	24:11:44	केतु	04/03/2022
शुक्र	11/03/2026	28:01:04	तुला	राहु व	तुला	02:27:44	शुक्र	02/11/2024
सूर्य	28/12/2026	28:01:04	मेष	केतु व	मेष	02:27:44	सूर्य	21/08/2025
चन्द्र	28/04/2028	00:37:10	मक व	हर्ष	मक	03:34:08	चन्द्र	21/12/2026
मंगल	04/04/2029	28:08:18	धनु व	नेप	धनु	29:33:39	मंगल	27/11/2027
राहु	29/08/2031	01:36:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	06:35:08	राहु	22/04/2030

लग्न-चलित

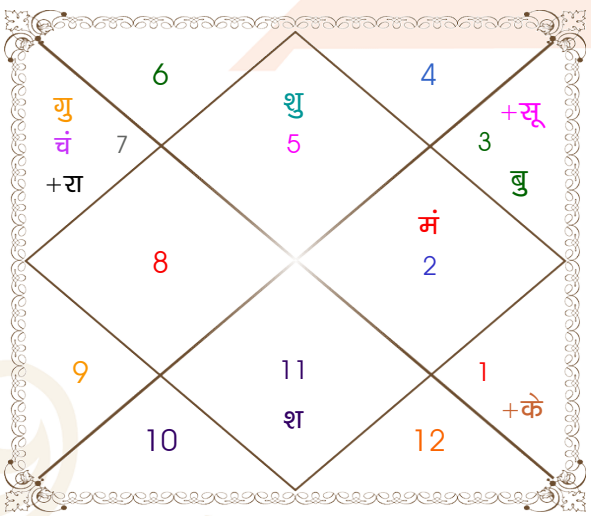

लग्न-चलित

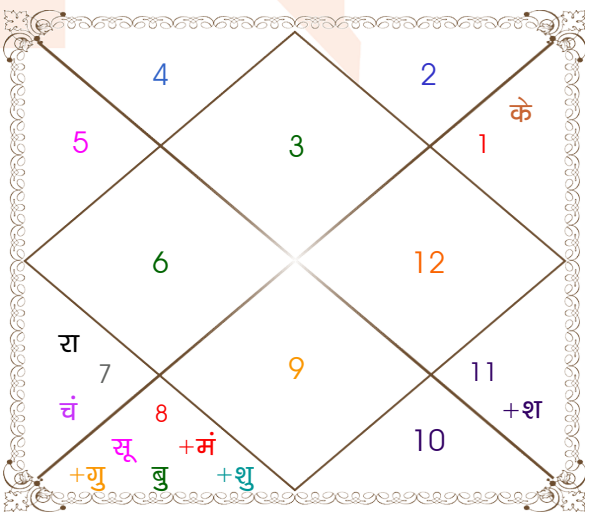

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

R का वर्ग मृग है Rाथा R का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार R और R का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

R मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

R मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

R तथा R में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।